

## राज्य स्तरीय आकलन (प्रथम)

कक्षा-8

विषय – संस्कृत

माध्यम –हिन्दी/ अंग्रेजी

PAPER CODE :

--	--	--	--

समय : 1 घंटे

पूर्णांक :

2	5
---	---

STUDENT ID :

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

केन्द्राध्यक्ष :

हस्ताक्षर :

हस्ताक्षर एवं सील :

वीक्षक :

दिनांक :

दिनांक :

निर्देश :

1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
2. दिये गये प्रश्नों के उत्तर इसी प्रश्न पत्र में ही हल किया जाना है।
3. प्रश्न क्र. 01 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित है तथा प्रश्न क्रमांक 11 में निर्धारित 5 अंक का विभाजन अंक निर्धारित है।
4. 01 से 10 तक प्रश्नों में केवल सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाना है।

स. क्र.	प्रश्न	अधिगम सम्प्राप्ति	स्तर
01	उचित विकल्प चुनत (उचित विकल्प चुनिये) – 'जेवनारगीतम्' अस्मिन् अवसरे गीयते – (जेवनार गीत इस अवसर पर गाया जाता है) – (अ) विवाहावसरे (ब) जन्मदिवसावसरे (स) होलिकोत्सवावसरे	LS 804	L1
02	सिरपुरस्य लक्ष्मणमन्दिरं निर्मितम् – (सिरपुर का लक्ष्मण मन्दिर बना था) – (अ) कृष्णोष्टिकाभिः (ब) पीतेष्टिकाभिः (स) रक्तेष्टिकाभिः	LS 802	L1
03	क्षेत्राणि परितः इमे वारिणा पूर्णाः भवन्ति – (खेत के चारों ओर ये जल से भरे हुये हैं)– (अ) तडागाः (ब) सरोवराः (स) कुल्याः	LS 807	L2

04	इयं स्वोमूर्तिरात्मनः अस्ति – (यह अपना ही स्वरूप है) –  (अ) माता (ब) पिता (स) भ्राता	LS 802	L2
05	उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत –  अनुशासनं ——— जीवनं शून्यम् अस्ति ।  (ऋते / सह / विना)	LS 814	L2
06	शुष्कवृक्षस्य तुलना ——— सह कृता ।  (मूर्खजनेन / गुणीजनेन / सता)	LS 812	L1
07	शास्त्रानुसारेण जीवने ज्ञानं ————— इव मन्यते ।  (माता / पिता / भ्राता)	LS 812	L2
08	भिन्नपदं चिनुत (भिन्न पद को चुनिए) –  गुरुन्, मातरम्, तातम्, भारतम् ।	LS 802	L3
09	आसीत्, अपश्यत्, आयोजयति, अकरोत् ।	LS 815	L3
10	गौः, महिषः, व्याघ्रः, मेषः ।	LS 809	L3
11	'प्राच्यनगरी सिरपुरम्' पाठस्य पञ्चवाक्येषु मातृभाषया भावं स्पष्टं कुरुत । ( 'प्राच्यनगरी सिरपुरम्' पाठ का पाँच वाक्यों में मातृभाषा में भाव स्पष्ट कीजिए ।)	LS 816	L4